विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ ,लखीसराय

वर्ग-अष्टम्

विषय-हिन्दी

आज की कक्षा में आपको शब्द- विचार दिया जा रहा है ,उसे अपनी कॉपी में लिखें तथा ध्यानपूर्वक पढ़ें ।

शब्द की परिभाषा–निश्चित अर्थ को प्रकट करने वाले वर्ण–समूह को शब्द कहते हैं। जैसे–घर, रोटी, अर्थ, विचार, शब्द आदि।

शब्द विचार के भेद

उत्तरउत्पत्ति के आधार पर हिंदी में शब्द के चार भेद हैं

1. तत्सम,
2. तद्भव,
3. देशज,
4. विदेशी।

1. तत्सम–संस्कृत भाषा के ऐसे शब्द, जो हिंदी में भी अपने मूल रूप में प्रचलित हैं, तत्सम कहलाते हैं। जैसे–वायु, नारी, सत्य, छात्र, समुद्र आदि।

2. तद्भव–जो शब्द संस्कृत भाषा के शब्दों से बिगड़ कर हिंदी में प्रचलित हैं, तद्भव कहलाते हैं। जैसे–सपना (स्वप्न), दूध (दुग्ध)।

3. देशज–जो शब्द स्थानीय पदार्थ के रूप में, कार्य के रूप में अथवा ध्वनि के अनुसार प्रसिद्ध और प्रचलित हैं, देशज कहलाते हैं। ये शब्द देश की विभिन्न बोलियों से लिये गए हैं। जैसे–पेट, खिड़की, थूक, चीनी।

4. विदेशी–वे शब्द, जो अंग्रेज़ी, अरबी, फारसी, तुर्की, पुर्तगाली, फ्रांसीसी आदि विदेशी भाषाओं से हिंदी में आए हैं, विदेशी कहलाते हैं। जैसे–स्कूल, बटन, आलू, गरीब, किताब, लाश।

शब्द विचार के उदाहरण

तद्भव	तत्सम
अंगुष्ठ	अंगूठा
आँख	अक्षि
नींद	निद्रा
–	बड़
बहरा	बधिर
करोड़	कोटि
धरती	धरित्री
मछली	मत्स्य
आंसू	अश्रु
दांत	दन्त
दही	दधि
ससुर	श्वसुर